बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

ekfld izfrosnu

अप्रैल 2019

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k

¼vkink izca/ku foHkkx] fcgkj ljdkj½

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

fo"k; lph

i`t u-

(A) vfHk;rkvk@okLrfonk@lond k@jktfefL=;k dk HkdEijk/kh fuek.k rduhd ls lcf/kr if'k{k.k 01&03

(B) ljf{kr rjkdh ß dk;Øe ds vrxr **Module Testing** gr ekLVj Vsuls dk if'k{k.k 04&06

(C) vkink tkf[ke U;uhdj.k ,o icU/ku fo"k; ij ipk;r ifrfuf/k;k dk if'k{k.k dk;Øe 07&08

(D) **"Management of Animal in Emergencies" विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशु चिकित्सकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण** 09&10

(E) fcgkj i'kklfud lokvk ds inkf/kdkfj;k dk ^vkink tkf[ke U;uhdj.k ,o icU/ku^ ij 0;olkf;d if'k{k.k dk;Øe 11

(F) HkdEi ,o vfXu lj{kk ekdfMy 12

(G) nkukiqj&Nijk fn;kjk xxk unh e ck< cpko ij vk/kkfjr ,d l;Dr ekdfMy& Þennß dk vk;kstu 13&14

(H) **Workshop on Dissemination Andsharing of Drr Best Practices In The Context of Sfa Priority Action** 15

(I) vfXu lj{kk lIrkg] ¼14&20 vizSy] 2019½ 16&18

(J) jkT; vkink lalk/ku uVodZ **(SDRN)** **19**

(K) **Mass Messaging/Whatsapp Advisory** 20&23

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

Mason Training on 02 to 08 April 2019 at Sitamarhi District

ekfld izfrosnu ¼vizSy] 2019½

(A) vfHk;arkvksa@okLrqfonksa@lsondksa@jktfefL=;ksa dk HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lacaf/kr izf'k{k.kA

(1) दिनांक 02 से 08 अप्रैल 2019 को सीतामढ़ी जिला के 13 प्रखंडों (रिगा, सुप्पी, बैरगनीया, मेजरगंज, सोनबरसा, बाजपट्टी, बथनाहा, सुरसंड, परिहार, चोरौत, पुपरी, नानपुर, बोखड़ा) में 361 jktfefL=;ksa को प्रशिक्षित किया गया।

(2) दिनांक 22 से 23 अप्रैल 2019 को राजमिस्त्रियों के भावी प्रशिक्षक तैयार करने के लिए दो दिवसीय Engineer Training सम्पादित किया गया। इस ट्रेनिंग में 38 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

(3) दिनांक 24 अप्रैल 2019 को राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षकों एवं अगामी प्रशिक्षण करने के लिए एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स सम्पादित किया गया। इस एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स में 57 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

(4) दिनांक 26 अप्रैल 2019 से 02 मई 2019 को vkSjaxkckn जिला के 11 प्रखंडों (औरंगाबाद सदर, बारूण, देव, कुतुम्बा, मदनपुर, नबीनगर, रफीगंज, दाउदनगर, गोह, हसपुरा एवं ओबरा) में 320 jktfefL=;ksa एवं x;k जिला के 06 प्रखंडों (गुरूआ, शेरघाटी, आमस, बांकेबाजार, ईमामगंज एवं डुमरीया) में 160 jktfefL=;ksa को प्रशिक्षित किया गया।

(5) दिनांक 30 अप्रैल 2019 से 03 मई 2019 को vkjxkckn जिला के 32 vlfud vfHk;rkvk को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

मार्च 2019 तक कुल 5058 राजमिस्त्री एवं 1403 असैनिक अभियंता प्रशिक्षित किये गये थे। इस प्रकार अप्रैल 2019 तक कुल 5058$361$320$160 ¾ **5899** jktfefL=;k एवं 1403$32 ¾ **1435** vlfud vfHk;rkvk को प्रशिक्षित किया गया।

माह अप्रैल 2019 में संचालित कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण अगले पृष्ठ पर द्रष्टव्य है:–

vi'y 2019 e l pkfyr dk;Øek dk fooj.k

Engineers Training/Refresher Course			
Sr.	**Name of Program**	**Training Date/Venue**	**No. of Participants**
1.	2 days Engineers Training	22-23 April 20109/Patna	38 Engineers
2.	Refresher Course	24 April 2019/Patna	57 Mason Trainers
3.	4 days Engineers Training	30 April to 03 May 2019/ Aurangabad	32 Engineers

7 days block level mason training at Sitamarhi District			
Sr. No.	**Name of Block**	**Training Date**	**No. of mason trained**
1.	**Suppy**	02 to 08 April 2019 Sitamarhi	**29**
2.	**Riga**		**28**
3.	**Bairaganiya**		**27**
4.	**Mejorganj**		**27**
5.	**Surasand**		**25**
6.	**Sonavarsa**		**30**
7.	**Bathnaha**		**27**
8.	**Parihar**		**30**
9.	**Pupri**		**24**
10.	**Nanpur**		**30**
11.	**Choraut**		**28**
12.	**Bajpatti**		**27**
13.	**Bokhara**		**29**
		Total	**361**

7 days block level mason training at Aurangabad District			
Sr. No.	**Name of Block**	**Training Date**	**No. of mason trained**
1	Aurangabad Sadar	26 April To 02 May 2019	**29**
2	Barun		**29**
3	Deo		**27**
4	Kutumba		**27**
5	Madanpur		**25**
6	Nabinagar		**30**
7	Rafiganj		**28**
8	Daudnagar		**30**
9	Goh		**24**
10	Haspura		**30**
11	Obra		**30**
		Total	**320**

7 days block level mason training at Gaya District			
Sr. No.	**Name of Block**	**Training Date**	**No. of mason trained**
1	Gurua	26 April To 02 May 2019	30
2	Sherghati		28
3	Amas		28
4	Banke Bazar		29
5	Imamganj		24
		Total	**160**

(B) þlqjf{kr rSjkdhß dk;ZØe ds vUrxZr Module Testing gsrq ekLVj VsuLlZ dk izf'k{k.k%&

I. प्राधिकरण द्वारा डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम के उद्देश्य से ”सुरक्षित तैराकी“ कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षक मॉड्यूल testing हेतु पटना जिले के पंडारक एवं मनेर प्रखंड के कुल 26 चयनित ”मास्टर ट्रेनर्स“ का 7 दिवसीय पायलट प्रशिक्षण दिनांक 02.04.2019 से दिनांक 08.04.2019 तक National Inland Navigation Institute (NINI) में संचालित किया गया।

इस पायलट प्रशिक्षण के लिए पंडारक एवं मनेर प्रखंड के कुल 32 प्रतिभागियों को जिला प्रशासन, पटना द्वारा नामित किया गया था। परन्तु तैराकी की दक्षता न होने के कारण केवल 26 प्रतिभागियों ने ही प्रशिक्षण पूर्व दक्षता जाँच में सफलता पाई। फलतः इन्हीं 26 प्रतिभागियों का 7 दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेने का अवसर दिया जा सका। सुरक्षित तैराकी संबंधी मार्गदर्शिका के अनुसार नदियों के किनारे अवस्थित गाँवों/मुहल्लों से तैराकी जानने वाले 10–10 युवको/युवतियों को मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण देने की योजना है। ये मास्टर ट्रेनर अपने–अपने गाँवों में नदी किनारे के 5 किमी तक की सीमा में अवस्थित गाँवों/मुहल्लों के तैराकी न जानने वाले/तैराकी का अल्प ज्ञान रखने वाले बच्चों को सुरक्षित तैराकी का प्रशिक्षण देंगे। मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण माडयूल की टेस्टिंग से प्राप्त अनुभवों के आधार पर ”मास्टर ट्रेनर्स“ के लिए निम्नलिखित अर्हताएं निर्धारित की गईः–

1. न्यूनतम 100 मीटर बिना रूके तैरना जानना।
2. पानी की सतह के नीचे कम से कम 05 मी0 दूरी बिना रूके तैर सकें।
3. शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
4. कम से कम 8वीं कक्षा पास हों।
5. आयु 20–35 वर्ष के बीच हो।

उक्त संशोधित अर्हताओं के अनुसार आगामी प्रशिक्षणों हेतु प्रशिक्षुओं की सूची भेजे जाने हेतु जिलापदाधिकारी पटना, भोजपुर, बक्सर, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, कटिहार, भागलपुर, मुंगेर और लखीसराय जिलों से अनुरोध किया गया है। ये सभी जिले गंगा नदी के तटवर्ती जिले हैं।

प्रशिक्षण मॉड्यूल में तैराकी कौशल विकास हेतु कुल 7 घंटे का समय निर्धारित किया गया था। Resource persons एवं प्रशिक्षुओं से प्राप्त Feedback के द्वारा यह ज्ञात हुआ कि प्रशिक्षुओं की दक्षता के विकास हेतु 7 घंटे का समय अपर्याप्त है इसलिए तैराकी प्रशिक्षण हेतु समय अवधि को बढ़ाकर 14 घंटे कर दिया गया है। इसी तरह पाठ्यक्रम के अन्य विषयों में आवश्यकतानुसार समय को संशोधित किया गया है जिससे प्रशिक्षण अवधि 7 दिवसों के स्थान पर अब कुल 9 दिनों की होगी।

II- lqjf{kr rSjkdh izf'k{k.k dk;Øe ds fy;s izf'k{k.k ekM~;wy dk fodkl

प्राधिकरण द्वारा सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण हेतु 9 दिवसीय एवं समुदाय स्तर पर 06–18 वर्ष बालक/बालिकाओं के प्रशिक्षण हेतु 12 दिवसीय प्रशिक्षण माड्यूल का विकास किया गया। इस मॉड्यूल के अंतर्गत सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, महत्व एवं उद्देश्य, विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण की प्रक्रिया, तैराकी प्रशिक्षण, डूबते को बचाने हेतु सहायता एवं बचाव के तरीके, प्राथमिक उपचार, समुदाय स्तर पर बालक–बालिकाओं का प्रशिक्षण, बाल सुरक्षा एवं उससे संबंधित अन्य मुद्दों को समाहित किया गया है। प्रशिक्षण मॉड्यूल में बंशी–जाल एवं झग्गड़/काँटा से डूबे हुए व्यक्ति/सामग्रियों की तलाश एवं सर्पदंश प्रबंधन का भी समावेश किया गया है। इस प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास में NINI, SDRF,UNICEF एवं NDRF का उल्लेखनीय योगदान रहा ।

(C) vkink tkf[ke U;uhdj.k ,o icU/ku fo"k; ij ipk;r ifrfuf/k;k dk if'k{k.k dk;Øe %&

jkT; Lrj ij if'kf{kr ekLVj V'uj }kjk ftyk e i[kM Lrjh; if'k{k.k

पंचायती राज संस्थानों के जन प्रतिनिधियों के प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा जिलों को आवश्यक वित्तीय सहयोग दिया गया है। सभी जिलों में प्रखंड स्तर पर पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किए जाने की सूचना प्राप्त हैः–

1. मधुबनी 2. मधेपुरा 3. दरभंगा 4. पूर्वी चम्पारण 5. सुपौल 6. पटना 7. सारण 8. सहरसा 9. सीतामढ़ी, 10. शिवहर 11. किशनगंज 12. नालंदा 13. सिवान 14. समस्तीपुर 15. मुजफ्फरपुर 16. वैशाली 17. बांका 18. जहानाबाद 19. कटिहार 20. पश्चिमी चम्पारण 21. बक्सर 22. अररिया 23. औरंगाबाद 24. अरवल 25. नवादा 26. खगड़िया 27. शेखपुरा 28. कैमूर 29. भागलपुर 30. बेगूसराय 31. पूर्णिया 32. रोहतास 33. जमुई 34. मुंगेर 35. गोपालगंज 36. भोजपुर 37. लखीसराय 38. गया।

उपर्युक्त जिलों से प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों के आँकड़े विहित प्रपत्र में प्राधिकरण को भेजने हेतु अनुरोध किया गया है एवं उन सभी जिलों से यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों का डाटा बेस तैयार कर जिला के वेबसाईट पर अपलोड किया जाय। अभी तक मात्र मधुबनी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सारण, जहानाबाद, पूर्वी चम्पारण, सुपौल, बांका, समस्तीपुर, सिवान एवं औरंगाबाद जिले से विहित प्रपत्र में प्रशिक्षण का ऑकड़ा प्राप्त हुआ है।

इन 11 जिलों से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार इनके द्वारा कुल 61,580 पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया गया है। विस्तृत विवरण अगले पृष्ठ पर द्रष्टव्य हैः–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

इन 11 जिलों से प्राप्त प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या निम्नवत् हैः–

क्र0सं0	जिला का नाम	जिला परिषद सदस्य (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	पंचायत समिति सदस्य (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	मुखिया (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	सरपंच (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	वार्ड सदस्य (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	पंच (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	कुल प्रशिक्षितों की सं0
1	मधुबनी	56	539	371	378	5149	5127	11620
2	मुजफ्फरपुर	25	288	263	207	1627	1291	3701
3	शिवहर	1	48	30	35	558	540	1212
4	सारण	6	294	273	239	3897	3139	7848
5	जहानाबाद	4	87	78	85	968	927	2149
6	पूर्वी चम्पारण	10	271	236	262	3234	2553	6566
7	सुपौल	15	198	146	145	1766	1631	3901
8.	बंका	13	161	117	152	1987	1912	4342
9.	समस्तीपुर	10	277	269	584	3259	3528	7927
10.	सिवान	10	272	236	253	3169	2965	6905
11.	औरंगाबाद	8	174	172	187	2494	2374	5409
	कुल	**158**	**2609**	**2191**	**2527**	**28108**	**25987**	**61580**

शेष जिलों को लगातार स्मार दिया जा रहा है।

(D) "Management of Animals in Emergencies" विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशु चिकित्सकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण।

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहाँ सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती है। यह राज्य जहाँ एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर एवं लू इत्यादि आपदओं से भी इस राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। इन आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते है और आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशु संसाधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि की आपदाओं को घटित होने से रोका तो नहीं जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशु चिकित्सकों का कौशल विकास कर तथा आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा का समुचित प्रबंधन किया जा सकता है।

उपर्युक्त वस्तुस्थिति के मद्देनजर ''आपात स्थिति में पशु प्रबंधन'' (Management of Animals in Emergencies) विषय पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार के पशु चिकित्सकों के चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं बिहार भेटनरी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में तथा World Animal Protection (WAP) और Policy Perspectives Foundation (PPF) के सहयोग से दिनांक 04 जून, 2018 से आरम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि बहु–आपदाओं की स्थिति में आपदा के पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद में किस तरह से पशुओं की सुरक्षा एवं प्रबंधन किया जाय। अप्रैल माह तक कुल 24 बैचों का प्रशिक्षण निम्नानुसार आयोजित किया गया हैः–

cp la[;k	fnukad	ifrHkkfx;ksa dh la[;k
1	4—7 जून, 2018	35
2	15—18 जून, 2018	35
3	20—23 जून, 2018	35
4	27—30 जून, 2018	35
5	11—14 जुलाई, 2018	35
6	16—19 जुलाई, 2018	35
7	23—26 जुलाई, 2018	35
8	28—31 जुलाई, 2018	35
9	17—20 सितम्बर, 2018	34
10	26—29 सितम्बर, 2018	35
11	3—6 अक्टूबर, 2018	34
12	7—10 अक्टूबर, 2018	30
13	11—14 अक्टूबर, 2018	35
14	2—5 जनवरी, 2019	34
15	7—10 जनवरी, 2019	35
16	16—19 जनवरी, 2019	35
17	21—24 जनवरी, 2019	35
18	28—31 जनवरी, 2019	35
19	4—7 फरवरी, 2019	35
20	20—23 फरवरी, 2019	35
21	25—28 फरवरी, 2019	35
22	5—8 मार्च, 2019	33
23	11—14 मार्च, 2019	31
24	24—27 अप्रैल, 2019	38
	dqy	829

इस प्रकार माह अप्रैल 2019 तक कुल 829 पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया गया है।

(E) fcgkj iz'kklfud lsokvksa ds inkf/kdkfj;ksa dk ^vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku^ ij 0;olkf;d izf'k{k.k dk;Øe%&

प्राधिकरण की बैठकों (10 एवं 11वीं) के निर्णय के आलोक में बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण बिपार्ड के सहयोग से जनवरी, 2018 से प्रारंभ किया गया है।

वर्तमान में जिला स्तर पर पदस्थापित बि0प्र0से0 के पदाधिकारियों का प्रशिक्षण बिपार्ड में चल रहा है। माह अप्रैल, 2019 तक कुल 779 पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक दिनांक 13.06.2018 में प्राधिकरण को दिए गए निर्देशों के अनुरूप जून माह में बाढ़ प्रवण जिलों में स्थानांतरित आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में गैर अनुभवी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों का प्रशिक्षण जुलाई माह से बिपार्ड में प्रारंभ किया गया। इनके प्रशिक्षण के सम्पन्न हो जाने के उपरांत अप्रैल, 2019 में 91 नव नियुक्त बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी का प्रशिक्षण किया गया।

इस प्रकार अप्रैल, 2019 तक कुल 779 बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी को प्रशिक्षित किया गया।

(F) HkdEi ,o vfXu lj{kk ekdfMy

बिहार सरकार द्वारा वर्ष, 2012 में जारी संकल्प के क्रम में 15–21 जनवरी तक भूकम्प सुरक्षा सप्ताह का आयोजन पूरे राज्य में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से किया जाता है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए पटना के विभिन्न कार्यालयों/अस्पतालों/अपार्टमेंट/मॉल आदि में समय–समय पर अग्नि एवं भूकम्प सुरक्षा मॉकड्रिल के आयोजन का निर्णय लिया गया। तद्नुसार पाटलीपुत्रा, कुर्जी रोड, पटना स्थित पी0 एंड एम0 मॉल में दिनांक–10.4.2019 को एस0डी0आर0एफ0 एवं विभिन्न हितभागियों, जैसे, पटना ट्रैफिक पुलिस, पटना पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन, बिहार अग्नि शाम सेवाएं, बिहार गृह रक्षा वाहिनी, रूबन हॉस्पिटल एवं सिविल डिफेंस के सहयोग से भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 मॉल के कर्मचारी तथा आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। मॉकड्रिल के दौरान सभी गंभीर घायलों को त्वरित कार्रवाई करते हुए रूबन अस्पताल में एम्बुलेंस द्वारा पहुंचाया गया।

(G) nkukiqj&Nijk fn;kjk xaxk unh esa ck< cpko ij vk/kkfjr ,d la;qDr ekWdfMªy& ÞenndÞ dk vk;kstu

बिहार राज्य बाढ़ जैसी आपदा के मदद्‌नजर बहुत ही संवेदनशील है। विभिन्न नौका दुर्घटनाओं में बहुत लोगों ने अपनी जानें गंवायी है। नौका दुर्घटना व उससे होने वाले नुकसान को रोकने के लिये गंगा–दियारा क्षेत्र के लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं 9वीं बटालियन एन0डी0आर0एफ0 के द्वारा बाढ़ बचाव पर आधारित एक संयुक्त मॉकड्रिल "मदद" का आयोजन दिनांक–11.04.2019 को दानापुर के पानापुर, दियारा में बहने वाली गंगा नदी में किया गया।

इस संयुक्त मॉकड्रिल में 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया जिसमे बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ–साथ एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, भारतीय सेना (बिहार रेजिमेंट सेंटर, दानापुर), बिहार पुलिस, पटना ट्रैफिक पुलिस, पटना जिला प्रशासन, सिविल डिफेंस, बिहार गृह रक्षा वाहिनी, बिहार अग्नि शाम सेवाएं, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, एन0सी0सी0, एन0एस0एस0 तथा विभिन्न स्कूलों के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं तथा स्थानीय लोग शामिल थे। बाढ़ बचाव पर आधारित इस मॉक अभ्यास "मदद" के प्रथम चरण में एन0डी0आर0एफ0 के बचाव कर्मियों द्वारा स्थानीय धरेलू सामानों की मदद से राफ्ट बनाने की विधि तथा इसका उपयोग के तरीके बताये गये। फिर बाढ़ बचाव की विभिन्न तकनीकें व डूबे हुए व्यक्ति के अस्पताल पूर्व चिकित्सा की जानकारी डेमो अभ्यास के माध्यम से बताया गया।

दूसरे चरण में नौका दूर्घटना के पश्चात्‌ स्थानीय स्वंय सेवकों द्वारा प्रथम रिस्पोंडर के रूप में कार्रवाई की गयी। इस दौरान उपस्थित लोगों को नौका सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को भी बताया गया तथा डेमो के माध्यम से दिखाया गया। पानी में डूब रहे पीड़ितों को बचाने

के बाद उन्हें बेहतर चिकित्सा हेतु एन0डी0आर0एफ0 के जलीय एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल भेजने का अभ्यास भी किया गया।

इस अवसर पर डॉ0 मुजफ्फर अहमद, भूतपूर्व सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री पी0एन0 राय, सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री विजय सिन्हा, कमांडेट, 9वीं बटालियन, एन0डी0आर0एफ0, बिहटा, पटना, पुलिस अधिक्षक, यातायात तथा अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

(H) WORKSHOP ON DISSEMINATION AND SHARING OF DRR BEST PRACTICES IN THE CONTEXT OF SFA PRIORITY ACTION

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं एफिकोर के संयुक्त तत्वावधान में एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 09.04.2019 को किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सेंडई फ्रेमवर्क फॉर एक्शन के अर्न्तगत बिहार के जिलों में, विशेषकर, मधुबनी, समस्तीपुर व पश्चिमी चम्पारण में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के तहत आपदा से सुरक्षित ग्राम के लिये किये जा रहे कार्यक्रमों में समुदाय के द्वारा Lessons Learnt और Best Prastices तथा Challenges Faced by Community को साझा किया गया।

इस कार्यशाला के अर्न्तगत समुदाय के द्वारा किये जा रहे कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की गयी जिसमें स्थानीय संसाधनों के उपयोग पर बल दिया गया। इस कार्यशाला में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री व्यास जी, सदस्य, डॉ0 उदय कान्त मिश्र, अपर सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग, महानिदेशक सह महासमादेष्टा, बिहार अग्नि शाम सेवाएं एवं गृह रक्षा वाहिनी, श्री बी0 रमेश बाबु, एफिकोर के साथ–साथ जिलों के कई प्रतिनिधि शामिल हुए।

(I) vfXu lqj{kk lIrkg] ¼14&20 vizSy] 2019½
(‘vkx c|>kus ls cgrj] vkx dh jksdFkke^^½

vfXu lqj{kk lIrkg ¼14&20 vizSy½ 2019 ij tu&tkx:drk dk;Øe & सरकार के निर्णय के आलोक में प्रत्येक वर्ष 14–20 अप्रैल तक के सप्ताह को अग्नि सुरक्षा सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। प्राधिकरण द्वारा अग्नि सुरक्षा सप्ताह (14–20 अप्रैल, 2019) पर विभिन्न हितभागियों जैसे – बिहार अग्निशाम सेवाऐं, बिहार गृह रक्षा वाहिनी, आई.सी.आइ.सी.आई. फाउंडेशन, एस.डी.आर.एफ., रोटरी, पटना, प्रेरणा, आपसदारी कला मंच के सहयोग से जन–जागरूकता के निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये :–

(क) दिनांक 14.04.2019 को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा बिहार अग्निशमन सेवा तथा रोटरी, पटना के संयुक्त तत्वावधान में अग्नि सुरक्षा सप्ताह की शुरूआत पुष्पांजलि वेकंटेश अपार्टमेंट, बुद्वमार्ग, पटना के कैम्पस से किया गया जिसमें अपार्टमेंट के लोगों को आग लगने से बचने के उपाए एवं गैस सिलेण्डर के आग लगने पर बचने के तरीके व उपाय के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई साथ ही अपार्टमेंट के लोगों द्वारा आग बुझाने का माक अभ्यास भी किया गया।

(ख) सभी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को अग्नि सुरक्षा जागरूकता संबंधी सलाह (Advisory) के प्रकाशन हेतु सलाह का प्रारूप ई–मेल के द्वारा भेजा गया।

(ग) अग्नि सुरक्षा संबंधित नुक्कड़ नाटक एवं मॉकड्रिल निम्नलिखित स्थानों पर कराया गयाः–

fnukd	lLFkk	uqDdM ukVd	lLFkk	ekdfMªy
14.04.2019 (रविवार)	निर्माण कला मंच	सेन्ट्रल मॉल, मौर्यालोक कॉम्पलेक्स तथा महाराजा कामेश्वर कॉम्पलेक्स	एस0डी0आर0एफ एवं बिहार अग्निशमन सेवा	बी0 फॉर नेशन, दक्षिणी मंदिरी, पटना समयः– 04:30 बजे अप0 संपर्क नं0–9316789150
15.04.2019 (सोमवार)	निर्माण कला मंच	गांधी मैदान, इको पार्क तथा बुद्धा स्मृति पार्क	एस0डी0आर0एफ एवं बिहार अग्निशमन सेवा	दयानंद ब्यॉज हाई स्कूल, मीठापुर, दयानंद ब्यॉज हाई स्कूल, मीठापुर समय– 09:30 बजे पूर्वा0 संपर्क नं0– 7004209783
16.04.2019 (मंगलवार)	प्रेरणा (जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा)	पाटलिपुत्रा, यारपुर तथा कमलानगर	एस0डी0आर0एफ एवं बिहार अग्निशमन सेवा	मीलर हाई स्कूल, वीरचंद पटेल पथ, अदालतगंज मिडिल स्कूल, वाटर टॉवर संपर्क नं0– 7004209783
17.04.2019 (बुधवार)	प्रेरणा (जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा)	अदालतगंज, केतारी मोहल्ला एवं गौस नगर समय–02:30 बजे अप0 संपर्क नं0– 7004209783	एस0डी0आर0एफ एवं बिहार अग्निशमन सेवा	जलापुर सिटी, बेली रोड
18.04.2019 (गुरूवार)	प्रेरणा (जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा)	यारपुर डोमखाना, यारपुर मुसहरी, यारपुर मेस्तरपारा समय–02:30 बजे अप0 संपर्क नं0– 7004209783	एस0डी0आर0एफ एवं बिहार अग्निशमन सेवा	दरभंगा हाउस, राजनीति शास्त्र विभाग समय–03:30 बजे अप0
19.04.2019 (शुक्रवार)	प्रेरणा (जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा)	कमला नेहरू नगर – फेज– I, II, III समय– 2:30 बजे अप0 संपर्क नं0– 7004209783	एस0डी0आर0एफ एवं बिहार अग्निशमन सेवा	अपार्टमेंट
20.04.2019 (शनिवार)	प्रेरणा (जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा)	कृष्णापुरी पार्क, ए0एन0 कॉलेज, पी0 एण्ड मॉल समय– 2:30 बजे अप0	एस0डी0आर0एफ एवं बिहार अग्निशमन सेवा	नेहरूनगर, गोसांईटोला स्कूल/राजशिला अपार्टमेंट, बेली रोड, शेखपुरा
20.04.2019 (शनिवार)	कोशिश	पेटिंग, श्लोगन एवं लेखन प्रतियोगिता	बी0एस0डी0एम0ए0 एवं कोशिश	इको पार्क, गेट नं0– 01

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अलावे बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा अग्नि सुरक्षा के उपाय पर आधारित ''क्या करें, क्या न करें'' से संबंधित फ्लैक्सी बनवाकर ICICI फाउंडेशन तथा कोशिश चैरिटेबल ट्रस्ट के छात्रों द्वारा झुग्गी–झोपड़ियों में लगातार सातों दिन तक अग्नि सुरक्षा पर जागरूकता का प्रचार–प्रसार किया गया तथा झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

- दिनांक 18.04.2019 को नेशनल बिल्डिंग कोड पर आधारित कार्यशाला का आयोजन अग्निशाम सेवाओं तथा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें विभिन्न हितभागियों यथा – अस्पताल, स्कूलों, होटलों, मॉल, बिल्डर्स एसोसिएशन, पुलिस प्रशासन, गृह विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग आदि ने भाग लिया।

- दिनांक 20.04.2019 को विभिन्न विद्यालयों, रेनबो होम्स, बी.फॉर.नेशन तथा स्लम के लगभग 400 बच्चों के बीच पेंटिग, क्विज एवं नारा लेखन (अग्नि सुरक्षा पर आधारित) प्रतियोगिता का आयोजन बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का चयन निर्णायक मंडली जिसमें श्री पवन, कार्टूनिस्ट, हिन्दुस्तान, पटना, प्रो0 जयश्री, गुलजारबाग महिला महाविद्यालय, श्रीमती माधुरी भट्ट एवं श्रीमती इन्दु उपाध्याय, शिक्षिका, संत जोसेफ कॉन्वेंट हाई स्कूल, महेन्द्रु, पटना के द्वारा किया गया। कार्यक्रम स्थल पर ही प्रतियोगिता में विजेताओं को श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री पी. एन. राय, सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पुरस्कृत किया गया।

(J) jkT; vkink lalk/ku uVodl (SDRN)

- आपदा के पश्चात् समुचित प्रबंधन एवं तत्काल प्रत्युत्तर के लिए विभिन्न संसाधनों (मानव एवं भौतिक) की ससमय उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण है।
- BSDMA द्वारा संसाधनों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी सुगमता से उपलब्ध कराने हेतु एक Web आधारित Platform-SDRN तैयार किया जा रहा है।
- इस Web Portal से विभिन्न प्रत्युत्तर संस्थाओं को आपदा से बेहतर तरीके से निबटने के लिए आवश्यक संसाधनों (जिला एवं अन्य स्तर पर) को प्राप्त एवं उपयोग करने में आसानी होगी तथा जान–माल की क्षति में कमी आ सकेगी।

BSDMA- बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्रधिकरण

SDRN- State Disaster Resource Network

(K) Mass Messaging/Whatsapp Advisory

अप्रैल माह में प्राधिकरण द्वारा ‘‘pØokrh rQku@vk/kh ls cpus ds mik;^^ ,oa xehZ gok,a@yw ls lqj{kk ds mik; rFkk vxyxh ls cpus dk mik;^^ पर Mass Messaging किया गया जो निम्नांकित हैः– पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचों, वार्ड सदस्यों, सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद् सदस्योंः–(643122), आशा कर्मचारियों (77542), जीविका दीदी (148890), आंगनबाड़ी सेविका (45946), प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित फायर सर्विसेस (142), फौरेस्ट ऑफसर (175)।

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k }kjk izf'kf{kr%& फोकल टीचर (1542), नाविक एवं नाव मालिक (3520), मुखिया और सरपंच (968), प्रमुख (196), अभियंत्ता (827), मैसन (4992+97=5089), आपदा मित्र (150), आदि लोगों को Mass Messaging द्वारा जागरूक किया गया।

iz'kklu%& DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), DCLR (102), Commisioners (9)

मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सुरक्षित शनिवार की Monitoring के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा हर सप्ताह वार्षिक सारणी पर आधारित Mass Messaging किया जा रहा है। Mass message के नमूने अगले पृष्ठों पर दिए गए हैं।

tufgr esa tkjh

चक्रवाती तूफान/आँधी से बचने के उपायः
अपने घर के मजबूत भाग के अंदर रहें।
अपने घर की चक्रवात के मौसम से पहले आवश्यकतानुसार मरम्मत करा लें।
यदि घर के बाहर हों तो आँधी तूफान के समय पेड़ों और बिजली के खम्भों से दूर रहें तथा पक्के मकानों में शरण लें।
टूटे बिजली के तारों से सावधान रहें।
चक्रवात/आँधी की गति एवं मार्गों की जानकारी रेडियो व टीवी से प्राप्त करते रहें।

xeZ gok,¡@yw ls lqj{kk ds mik;%&

जब भी बाहर धूप में जायें
जितना बार हो सके पानी पीयें, बार–बार पीयें, सफर में अपने साथ पीने का पानी हमेशा रखें।
यथा संभव हल्के रंग के, ढीले ढाले एवं सूती कपडे पहने।
धूप के चश्मे का इस्तेमाल करें, गमछे या टोपी से अपने सिर को ढकें व हमेशा जूता या चप्पल पहनें।
हल्का भोजन करें, अधिक पानी की मात्रा वाले मौसमी फल जैसेः– तरबूज, खीरा, ककड़ी, खरबूजा, संतरा आदि का अधिकाधिक सेवन करें।
जानवरों को छाँव में रखें एवं उन्हें भी खूब पानी पीने को दें।
अगर तबियत ठीक न लगे या चक्कर आये तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

xehZ dk ekSle 'kq: gks x;k gS ,sls esa xeZ iNqvk gok ds dkj.k vxyxh dh lHkkouk c<+ jgh gSA
अगलगी से बचाव हेतु कृपया ध्यान देंः–

दिन का खाना 9 बजे सुबह के पहले एवं रात का खाना शाम 6 बजे की बाद ही बनाएं।
हवन–अनुष्ठान आदि सुबह 9 बजे से पूर्व कर लिया जाए।
खाना बनाकर चूल्हे की आग को पानी से अच्छी तरह बुझा दें।
खेत–खलिहान के आस–पास बीड़ी सिगरेट न पीयें, न पीने दें।
खेतों में फसल काटने के बाद बचे डंठल को नहीं जलाएं।
आग लगने पर फायर ब्रिगेड (101 नंबर) पर एवं प्रशासन को सूचित करें एवं सहयोग करें।

vkleku e fctyh d pedu@xjtu@dMdu d le; :–

यदि आप खुले में हों तो शीघ्र अतिशीघ्र किसी पक्के मकान में शरण लें।
जहां हैं वहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सुखी चीजे जैसे –
लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें।

उँचे पेड़ के नीचे न खड़े हों।
बिजली के सुचालक वस्तुओं से दूर रहें।
समूह में खड़े हों।
रेडियों और टी0वी0 पर मौसम के साफ होने का संदेश प्रसारित

e[;e=h fo|ky; lj{kk dk;Øe d vrxr ekp e Hkt x; elt iFke 'kfuokj

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत इस शनिवार दिनांकः–06.04.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों में फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों का चयन किया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।
निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–181 शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

nlj k 'kfuokj

e[;e=h fo|ky; lj{kk dk;Øe%&

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अनतर्गत इस शनिवार (13.04.2019) को बिहार के सभी विद्यालयों विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन/पुर्नगठन किया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का

आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।
मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–181
शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

rhljs 'kfuokj

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार को (20.04.2019) को बिहार के सभी विद्यालयों में हजार्ड हंट किया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।
मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–196
शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

pkSFkk 'kfuokj

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार (27.03.2019) को बिहार के सभी विद्यालयों अगलगी से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी दिया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।

निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–196 शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255